

## थायरॉयड सर्जरी का नया अध्याय: सर्वाइकल ब्लॉक से मरीज पूरी तरह होश में और सुरक्षित!

आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज में एक बार फिर चिकित्सकों ने उत्कृष्ट सर्जिकल दक्षता का परिचय देते हुए सॉलिटरी थायरॉयड नोड्यूल के सफल उपचार हेतु हेमिथायरॉयडेक्टॉमी ऑपरेशन को सर्वाइकल प्लेक्सस ब्लॉक एनेस्थीसिया के अंतर्गत सफलतापूर्वक संपन्न किया।

विशेष बात यह रही कि पूरी प्रक्रिया के दौरान मरीज ऑपरेशन से पहले, ऑपरेशन के समय तथा ऑपरेशन के बाद पूर्णतः होश में एवं ओरिएंटेड रहा। यह क्षेत्रीय एनेस्थीसिया तकनीक की सुरक्षा एवं प्रभावशीलता को दर्शाता है। ऑपरेशन बिना किसी जटिलता के सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

▣ केस विवरण:

- रोग निदान: सॉलिटरी थायरॉयड नोड्यूल
- प्रक्रिया: हेमिथायरॉयडेक्टॉमी
- एनेस्थीसिया: सर्वाइकल प्लेक्सस ब्लॉक
- मरीज की स्थिति: पूरी प्रक्रिया के दौरान सचेत एवं हेमोडायनामिक रूप से स्थिर

★ सर्वाइकल प्लेक्सस ब्लॉक के अंतर्गत हेमिथायरॉयडेक्टॉमी के प्रमुख लाभ:

1. जनरल एनेस्थीसिया के जोखिम से बचाव श्वासनली में ट्यूब डालने की आवश्यकता नहीं, जिससे संबंधित जटिलताओं का जोखिम कम होता है।
2. ऑपरेशन के दौरान आवाज की निगरानी संभव मरीज के सचेत रहने से रीयल-टाइम वॉइस मॉनिटरिंग की जा सकती है, जिससे रीकरेन्ट लैरिंजियल नर्व की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।
3. तेजी से रिकवरी कम सुस्ती, शीघ्र चलना-फिरना और अस्पताल में कम समय तक भर्ती रहना।
4. ऑपरेशन के बाद मतली एवं उल्टी में कमी
5. उच्च जोखिम वाले मरीजों के लिए सुरक्षित एवं किफायती विकल्प विशेष रूप से उन मरीजों के लिए लाभकारी जिनमें जनरल एनेस्थीसिया का जोखिम अधिक होता है।

ऑपरेशन के बाद मरीज को स्थिर अवस्था में पोस्ट-ऑपरेटिव वार्ड में शिफ्ट किया गया। शीघ्र ही ओरल डाइट एवं चलना-फिरना प्रारंभ कराया गया। संपूर्ण रिकवरी बिना किसी जटिलता के रही।

यह सफल सर्जरी क्षेत्रीय एनेस्थीसिया आधारित एंडोक्राइन सर्जरी में बढ़ती विशेषज्ञता को दर्शाती है और मरीज-केंद्रित, सुरक्षित एवं आधुनिक चिकित्सा सेवाओं के प्रति आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज की प्रतिबद्धता को पुनः सिद्ध करती है।

डॉ विशाल दुबे, डॉ सुमेर वर्मा, डॉ अनुभव मिश्रा, डॉ सौरभ प्रजापति, डॉ विकास मारु, डॉ वेद जैन, डॉ निधि और डॉ आयुषी ने मिलकर इस सर्जरी को सफल बनाया

